प्रेस-विज्ञप्ति / Press Release **23 मई / May, 2019**

सिडबी, सूक्ष्म और लघु उद्यम के पारितंत्र में वित्तीय अंतरालों की पूर्ति के लिए कटिबद्ध

SIDBI set to address financial gaps in Micro and Small Enterprises ecosystem

अनेक ऋणाधिक सरोकारों की घोषणा

Announces a host of credit plus engagements

31 मार्च 2019 को समाप्त वित्तीय वर्ष में एक लाख से अधिक व्यक्तियों को प्रभावित कर, भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) देश भर में ऋणाधिक सरोकारों में वृद्धि कर उद्यमशीलता की संस्कृति को स्थापित कर रहा है।

After touching more than one lakh lives in the last financial year ended March 31, 2019, Small Industries Development Bank of India (SIDBI) is set deepen the entrepreneurship culture across the country by setting up and stepping up credit plus engagements.

वर्तमान वित्तीय वर्ष के दौरान सिडबी नवोदित उद्यमियों की हैंडहोल्डिंग और मार्गदर्शन के लिए समर्पित केंद्र स्थापित करके "स्वावलंबन" पहल को बढ़ाने की योजना बना रहा है। "स्वावलंबन" एक मिशन है जो सुसमर्थ व्यक्तियों के माध्यम से जनसामान्य को पसंदीदा व्यावसायिक विकल्प के रूप में उद्यमशीलता का चयन करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

In the present financial year, SIDBI is planning to scale up the "Swavalamban" initiative by setting up dedicated centres for handholding and guidance to budding entrepreneur. "Swavalamban" is a mission to encourage masses to select entrepreneurship as the preferred occupational choice through the right enablers.

इसके अलावा जीवन शृंखला में सबसे निचले स्तर के व्यक्तियों के जीवन को प्रभावित करने के लिए और जमीनी स्तर पर उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए, जननायकों की आकांक्षाओं को पंख देकर "सिडबी

स्वावलंबन रोल मॉडल" स्थापित करते हुए, हाल ही में एक प्रायोगिक हस्तक्षेप किया गया है। इसका उद्देश्य चुनौतीपूर्ण / अल्पसेवित घटक से असंगठित आजीविका उपक्रमों तक ऋण की पहुंच को सक्षम बनाना है।

In addition to this, to promote entrepreneurship at the grassroot level to touch the lives of those at the bottom of the pyramid, a pilot intervention has been undertaken recently to set up "SIDBI Swavalamban Role Model" by giving wings to the aspirations of everyday heroes. The objective is to enable credit access to unorganized livelihood ventures from challenged/underserved segments.

सिडबी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री मोहम्मद मुस्तफा, आईएएस ने बताया कि "हम उद्यमिता संस्कृति को बढ़ावा देने के अपने मिशन में आसानी से आगे बढ़ रहे हैं और इस वित्तीय वर्ष में बड़ी संख्या में लोगों तक पहुँचने की योजना बना रहे हैं। हम ऐसे आजीविका राजदूतों को 1 लाख रुपये तक का अनुदान देने की योजना शुरू करने की मंशा रखते हैं, जो बाधाओं के बावजूद आगे बढ़े हैं और यदि उन्हें एक छोटा-सा प्रोत्साहन दिया जाए तो वे एक टिकाऊ या ऋण समर्थ उद्यमीं के रूप में उभर सकते हैं। हमें उम्मीद है कि हम उदीयमान और मौजूदा सूक्ष्म और लघु उद्यमियों की मदद करके देश में एक बदलाव लाएंगे।"

"We are smoothly moving ahead in our mission to foster the entrepreneurship culture and plan to touch a greater number of people this financial year. We intend to launch a scheme to provide grants up to Rs 1 lakh to such livelihood ambassadors who have carried on despite hurdles and if given a small fillip, can emerge as sustainable or credit enabled. We hope to make a difference in the country by helping budding and existing Micro and Small Enterprises," said Shri Mohammad Mustafa, IAS, Chairman & Managing Director, SIDBI.

सिडबी अपने विज़न 2.0 तथा मिशन स्वावलंबन के अंतर्गत, ई-लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म स्थापित करने की योजना बना रहा है और उद्यम स्थापित करने पर एमबीए पाठ्यक्रम के लिए साझेदारियों हेतु प्रयासरत है। इससे उन नवोदित उद्यमियों की मदद होगी जो उद्यमी बनने के लिए इस शिक्षा का उपयोग करना चाहते हैं और विनिर्माण क्षेत्र में अपने उद्यम स्थापित करते हैं। सिडबी के इस कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल अकादमिक शिक्षा प्रदान करना है, अपितु उद्यम निर्माण के माध्यम से प्लेसमेंट भी सुनिश्चित करना है।

Under the umbrella of SIDBI 2.0 vision and under mission Swavalamban, SIDBI is planning to set up an e-learning platform and exploring partnerships for MBA course on enterprise setup. This will help the budding entrepreneurs who wish to utilise the learning to become entrepreneurs and set-up their ventures in manufacturing sector. SIDBI's program is aimed not only towards imparting academic learning but also ensure placement through enterprise creation.

सिडबी, मुंबई के धारावी में एक उद्यमिता प्रयोगशाला स्थापित करने की प्रक्रिया में है,धारावी में एक सक्रिय अनौपचारिक अर्थव्यवस्था है जो झुग्गी निवासियों को अनेक घरेलू उद्यमों में रोजगार उपलब्ध कराते हैं। चमड़े, टेक्सटाइल और पॉटरी आदि के उत्पाद धारावी में बनाए जाते हैं।

SIDBI is also in the process of setting up an entrepreneurship lab in Dharavi, Mumbai, which has an active informal economy in which numerous household enterprises employ many of the slum residents. Leather, textiles and pottery products are among the goods made in Dharavi.

सिडबी के बारे में : 1990 में अपने गठन के बाद से, सिडबी अपने एकीकृत, अभिनव और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से समाज के विभिन्न स्तरों पर नागरिकों के जीवन को प्रभावित करता रहा है। चाहे वह पारंपरिक घरेलू उद्योग हों, लघु इकाइयां, पिरामिड के निचले स्तर के उद्यमी हों, मध्यम उद्यम से ले कर उच्च ज्ञान आधारित उद्योग हों और निर्यात संवर्द्धन तक के उद्यम हो, सिडबी ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 360 लाख से अधिक लोगों के जीवन को विभिन्न क्रेडिट और विकासात्मक उपायों के माध्यम से सहायता प्रदान की है। कृपया अधिक जानकारी के लिए https://www.sidbi.in/ पर जाएँ ।

About SIDBI: Since its formation in 1990, SIDBI has been impacting the lives of citizens across various strata of the society through its integrated, innovative and inclusive approach. Be it traditional domestic industry, small units, bottom-of-the-pyramid entrepreneurs, medium enterprises to high-end knowledge-based industries and export promotions, SIDBI has directly or indirectly touched the lives of more than 360 lakh people through various credit and developmental measures. For more information, please visit: https://www.sidbi.in/

मीडिया संपर्क : नीलाश्री बर्मन, मोबाइल: +91 8879760249, ई-मेल: neelasrib@sidbi.in
Media contact: Neelasri Barman, Mobile: +91 8879760249, E-mail: neelasrib@sidbi.in